BSEH Marking Scheme (March 2024)

Code : C

खंड - क (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) **1×21=21**

Section-A (Objective Questions)

प्रश्न1. (स) एस. एन. राय

प्रश्न2. (अ) अलेक्जेंडर कनिंघम

प्रश्न3. (द) संस्कृत यज्ञ

प्रश्न4. (स) सांची स्तूप

प्रश्न5. (ब)जो पुरुषों और महिलाओं को अस्तित्व की नदी के पार ले जाते हैं

प्रश्न6. (स)कुषाण साम्राज्य

प्रश्न7. (द)चन्हूदड़ो

प्रश्न8. (स)हरिषेण

प्रश्न9. शक शासक रुद्रदमन प्रथम

प्रश्न10. 17 वीं सदी

प्रश्न11. 22 मार्च 1942

प्रश्न12. एक चिकित्सक था जो बंगाल में (1794-1815) चिकित्सा सेवा में रहा ।

प्रश्न13. अमुक्तमाल्यद

प्रश्न14. चाणक्य

प्रश्न15. 1815

प्रश्न16. थॉमस जॉन्स बार्कर

Downloaded from cclchapter.com

प्रश्न17. अरबी

प्रश्न18. गुरु तेग बहादुर

प्रश्न19. द

प्रश्न20. स

प्रश्न21. द

Question 1. (c) S. public opinion

Question 2. (a) Alexander Cunningham

Question 3. (d) Sanskrit Yajna

Question 4. (c) Sanchi Stupa

Question 5. (b) Who takes men and women across the river of existence.

Question 6. (c) Kushan Empire

Question 7. (d) Chandradaro

Question 8. (c) Harishen

Question 9. Shaka ruler Rudra Daman I

Question 10. 17th century

Question 11. 22 March 1942

Question 12. There was a doctor who served in medical service in Bengal (1794-1815).

Question 13. Amuktmalsad

Question 14. Chanakya

Question 15.1815

Question 16. Thomas Johns Barker

Question 17. Arabic

Question 18. Guru Tegh Bahadur

Downloaded from cclchapter.com

Question 19. D

Question 20. D

Question 21. D

खंड - ख (लघु उत्तरीय प्रश्न) **3×6=18**

Section-B (Short Answer Questions)

प्रश्न22. भारत में परिवार व्यवस्था की विशेषताएँ निम्नलिखित है-

(i) भारत में संयुक्त परिवार व्यवस्था प्रचलित थी।

(ii) परिवार का सर्वाधिक बुजुर्ग व्यक्ति घर का मुखिया होता है।

(iii) परिवार के सभी सदस्यों के उत्तरदायित्व निर्धारित होते हैं।

(iv) परिवार मुख्यतः पुरुष प्रधान होते है।

Following are the characteristics of family system in India:

(i) Joint family system was prevalent in India.

(ii) The oldest person in the family is the head of the household.

(ii) Responsibilities of all the members of the family are determined.

(iv) Families are mainly male headed.

अथवा/or

(i) जाति प्रथा समाज को कई हिस्सों में विभाजित कर देती है।

(ii) इससे देश की राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को हानि पहुँचती है।

(iii) इससे छुआछूत की प्रथा का प्रसार होता है।

(i) Caste system divides the society into many parts.

(ii) This harms the national unity and integrity of the country.

Downloaded from cclchapter.com

(ii) This spreads the practice of untouchability.

प्रश्न23. गांधार शैली की मूर्तिकला की विशेषताएँ इस प्रकार है-

(i) गांधार शैली में बुद्ध के जीवन की घटनाएँ मुख्य विषय रहे हैं।

(ii) इस शैली में महात्मा बुद्ध तथ बोधिसत्व की मूर्तियाँ बनाई गई थी।

(iii) इस शैली की मूर्तियों में यूनानी और भारतीय शैली का मिश्रित प्रभाव देखा जाता है।

(iii) इनमें जातक कथाओं का चित्रण किया गया है।

The characteristics of Gandhara style sculpture are as follows-

(i) Events from the life of Buddha have been the main theme in Gandhara style.

(ii) Statues of Mahatma Buddha and Bodhisattva were made in this style.

(iii) Mixed influence of Greek and Indian styles is seen in the sculptures of this style.

(iv) Jataka tales have been depicted in these.

प्रश्न24. इब्नबतूता ने नारियल तथा पान को भारत की दो ऐसी वानस्पतिक उपज बताया जिनसे उसके पाठक पूरी तरह अपरिचित थे। उसके अनुसार पान एक ऐसा वृक्ष था जिसे अंगूर लता की तरह उगाया जाता था। पान कोई फल नहीं होता था और इसे केवल पत्तियों के लिए उगाया जाता था। नारियल को इब्नबतूता ने विस्मयकारी वृक्ष बताया जो बिल्कुल खजूर के वृक्ष जैसा था।

Ibn Battuta described coconut and betel as two such botanical products of India with which his readers were completely unfamiliar. According to him, betel was a tree which was grown like a grape vine. Betel leaf was not a fruit and was grown only for its leaves. Ibn Battuta described the coconut as a wonderful tree which was exactly like the palm tree.

प्रश्न25. मध्यकालीन भारत में भक्ति आंदोलन के उदय के निम्नलिखित कारण-

Downloaded from cclchapter.com

(i) जाति व्यवस्था का जटिल होना-मध्यकालीन भारत में जाति व्यवस्था का स्वरूप बहुत जटिल हो गया था। समाज में उच्च जातियों का निम्न जातियों पर अत्याचार बढ़ गए थे जिससे उनमें व्यापक असतोष पैदा हुआ। ऐसी स्थिति में भक्ति मार्ग ने सबके लिए मार्ग खोल दिए। यह आंदोलन मानव की समानता पर बल देता था।

(ii) हिन्दू धर्म की त्रुटियाँ-मध्यकाल में हिन्दू धर्म अपनी पवित्रता खो बैठा तथा इसमें अनेक बुराइयों उत्पन्न हो गई थी। हिन्दू धर्म में व्यर्थ के कर्मकांड शामिल हो गए थे। इसलिए भक्ति आंदोलन के संतों ने हिन्दू धर्म में सुधार हेतू यह आंदोलन चलाया।

(iii) इस्लाम का भय भारत में इस्लाम के प्रसार से भारत में भक्ति आंदोलन को बल मिला। मुसलमान शासको। द्वारा हिन्दुओं को बलपूर्वक इस्लाम में लाने का प्रयत्न किया गया। हिन्दू धर्म को पतन से बचाने के लिए भक्ति आंदोलन का उदय हुआ।

Following are the reasons for the rise of Bhakti movement in medieval India-

(i) Complexity of the caste system: The nature of the caste system had become very complex in medieval India. The atrocities of the upper castes on the lower castes had increased in the society, which created widespread discontent among them. In such a situation, the path of devotion opened the way for everyone. This movement emphasized on equality of human beings.

(ii) Errors of Hindu religion: In the medieval period, Hindu religion lost its purity and many evils had arisen in it. Useless rituals were included in Hindu religion. Therefore, the saints of the Bhakti movement started this movement to reform the Hindu religion.

(iii) Fear of Islam The spread of Islam in India gave strength to the Bhakti movement in India. Efforts were made by Muslim rulers to force Hindus to convert to Islam. Bhakti movement emerged to save Hindu religion from decline.

Downloaded from cclchapter.com

प्रश्न26. मुगलकाल में सबसे अच्छी फसलों को 'जिन्स-ए-कामिल' कहा जाता था। कपास और गन्ना इस प्रकार की फसलों के उदाहरण थे। मुगल राज्य किसानों को ऐसी फसलों की खेती करने के लिए बढ़ावा देता था क्योंकि इनमें राज्य को ज्यादा कर मिलता था।

During the Mughal period, the best crops were called 'Jins-e-Kamil'. Cotton and sugarcane were examples of this type of crops. The Mughal state encouraged farmers to cultivate such crops because the state got more tax on them.

प्रश्न27. डॉ० बी० आर० अम्बेडकर भारत के एक प्रसिद्ध विधिवेत्ता एवं अर्थशास्त्री थे। उन्हें दलितों के मसीहा के रूप में याद किया जाता है। वह संविधान सभा की प्रारूपः समीति के अध्यक्ष थे। भारत के संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

. Dr. B.R. Ambedkar was a famous jurist and economist of India. He is remembered as the messiah of dalits. He was the chairman of the drafting committee of the Constituent Assembly. He had an important role in the making of the Constitution of India.

अथवा/or

धर्म निरपेक्ष राज्य से अभिप्राय उस राज्य से है, जिसमें लोगों को धार्मिक स्वतन्त्रता प्राप्त हो। राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होता है। धर्म के आधार पर लोगों के साथ कोई भेदभाव नहीं होता है। भारत एक धर्म निरपेक्ष राज्य की श्रेणी में आता है।

Secular state means that state in which people have religious freedom. The state has no religion of its own. There is no discrimination against people on the basis of religion. India comes under the category of a secular state.

खंड- ग (स्रोत आधारित प्रश्न) 3×4=12

Section-c Source Based Question

Downloaded from cclchapter.com

प्रश्न28. 1. अर्थशास्त्र राजनीतिक सिद्धान्तों पर आधारित एक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है जिसकी रचना कौटिल्य ने की थी।

2. अर्थशास्त्र में सैनिक और प्रशासनिक संगठन के बारे में विस्तृत विवरण मिलते हैं।

3. हाथियों को सेना के लिए पकड़ा जाता था। इन्हें वनों के संरक्षकों,सीमारक्षकों, वनवासियों और महावतों की सहायता से पकड़ा जाता था।

1. Arthashastra is an important book based on political principles which was written by Kautilya.

2. Detailed descriptions about military and administrative organization are found in Arthashastra.

3. Elephants were captured for the army. They are known as forest protectors, border guards, forest dwellers and mahouts Was caught with help.

प्रश्न29. 1. डोमिंगो पेस विजयनगर शहर के बाजार का सजीव विवरण देता है।

2. डोमिंगो पेस इस शहर का वर्णन 'विश्व के सबसे अच्छे संभरण वाले शहर' के रूप में इसलिए करता है क्योंकि इस बाजार में प्रत्येक प्रकार के अनाज तथा दाले उपलब्ध थी।

3. फर्नाओ नूनिज एक पुर्तगाली यात्री था जिसने विजयनगर शहर की यात्रा की थी।

1.Domingo Paes gives a vivid description of the market in Vijayanagara city.

2.Domingo Paes describes this city as the best supplied city in the world because every type of grains and pulses were available in this market.

3. Fernão Nuniz was a Portuguese traveler who visited the city of Vijayanagara.

प्रश्न30. 1. नमक हर व्यक्ति की मूल आवश्यकता थी परन्तु सरकार ने अन्यायपूर्ण नमक कर तैयार करके बिना कर अदा किए नमक के प्रयोग पर रोक लगा

Downloaded from cclchapter.com

दी थी तथा सरकार उस नमक को नष्ट कर देती थी जिससे वह उचित लाभ नहीं कमा पाती थी। इस प्रकार सरकार बहुमूल्य राष्ट्रीय सम्पदा को नष्ट कर रही थी। इसलिए गाँधी जी ने नमक को सरकार के विरोध के प्रतीक के रूप में चुना।

2. नमक पर अंग्रेजी सरकार का एकाधिकार एक अभिशाप था क्योंकि यह लोगों को बहुमूल्य सुलभ ग्राम उद्योग से वंचित करता था। यह एकाधिकार बहुमूल्य राष्ट्रीय सम्पदा का विनाश करता था तथा यह विनाश राष्ट्रीय खर्च पर ही किया जाता था।

3. सामान्य लोगों की उदासीनता के कारण हो नमक कर अस्तित्व में बना रहा था।

1. Salt was the basic need of every person but the government had created an unjust salt tax and banned the use of salt without paying the tax and the government used to destroy that salt due to which it was not able to earn proper profit. Thus the government was destroying valuable national wealth. Therefore Gandhiji chose salt as a symbol of protest against the government.

2. The British government's monopoly on salt was a curse because it deprived the people of a valuable accessible village industry. This monopoly led to the destruction of valuable national wealth and this destruction was done at the national expense.

3. The salt tax continued to exist because of the indifference of the common people.

खंड-घ (निबंधात्मकप्रश्न) 3×8=24

Section-D (Essay Questions)

प्रश्न31. मोहनजोदड़ो हड़प्पा सभ्यता अथवा सिंधु घाटी की सभ्यता का सबसे महत्वपूर्ण नगर था। इस नगर की कुछ विशेषताओं का वर्णन इस प्रकार है-

Downloaded from cclchapter.com

(i) एक नियोजित नगर-मोहनजोदड़ो हड़प्पा सभ्यता का एक नियोजित नगर था। नगर को एक योजना के द्वारा बसाया गया था। इसमें जल निकासी की उत्तम व्यवस्था स्थापित की गई थी। सड़कें एक दूसरे को समकोण पर काटती थीं।

(ii) नगर का दो भागों में विभाजन-मोहनजोदड़ो नगर को दो भागों में विभाजित किया गया था। इसके ऊपरी भाग को दुर्ग तथा निचले भाग को निचला शहर कहा जाता था। सम्भवतः दुर्ग में कुलीन वर्ग तथा शासकों का निवास होता था तथा जन सामान्य निचले शहर में रहते थे ।

(i) गृह स्थापत्य मोहनजोदड़ों का निचला शहर आवासीय भवनों के उदाहरण प्रस्तुत करता है। लगभग हर घर में एक आँगन होता था जिसके चारों ओर कमरे बने होते थे। घर के निर्माण के समय एकांतता का विशेष ध्यान रखा जाता था। भूमितल पर बनी दीवारों में खिड़कियाँ नहीं होती थी। हर घर में एक स्नानघर होता था जिसकी नालियाँ दीवार के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी हुई थी। विद्वानों ने अनुमान लगाया है कि मोहनजोदड़ो में 700 कुओं के होने के प्रमाण मिलते है जिन से पानी की आवश्यकता की पूर्ति होती थी।

(iv) सड़कों तथा नालियों भी व्यवस्था इस नगर की अनूठी विशेषता इसकी नियोजित जल निकास प्रणाली थी। ऐसा प्रतीत होता है कि पहले नालियों के साथ गलियों को बनाया गया था और फिर आवासों का निर्माण किया गया था। यदि घरों के गन्दे पानी की गलियों की नालियों से जोड़ना था तो प्रत्येक घर की कम से कम एक दीवार का गली से सटा होना आवश्यक था।

(ii) माल गोदाम व विशाल स्नानागार- मोहनजोदड़ो में दुर्ग में कुछ विशेष संरचनाएँ भी मिली है जिनका प्रयोग सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए किया जाता था। इनमें एक मालगोदाम एक ऐसी विशाल संरचना थी जिसके ईटों से बने केवल निचले हिस्से शेष है और एक विशाल स्नानागार सम्मिलित है। विशाल

Downloaded from cclchapter.com

स्नानागार आँगन में बना एक आयताकार जलाशय है चारों ओर से एक गलियारे से घिरा है। जलाशय के तल तक जाने के लिए इसके उत्तरी और दक्षिणी भाग में दो सीढ़ियाँ बनी थी। सम्भवतः इसका प्रयोग किसी प्रकार के विशेष आनुष्ठानिक स्नान के लिए किया जाता था।

Mohenjodaro was the most important city of the Harappan civilization or Indus Valley civilization. Some features of this city are described as follows-

(i) A planned city – Mohenjodaro was a planned city of the Harappan civilization. The city was settled according to a plan. An excellent drainage system was established in it. Roads at right angles to each other used to bite.

(ii) Division of the city into two parts – Mohenjodaro city was divided into two parts. Its upper part was called the fort and the lower part was called the lower city. Probably the elite class and rulers resided in the fort and the common people lived in the lower city.

(iii) House Architecture The lower city of Mohenjodaro presents examples of residential buildings. Almost every house had a courtyard around which rooms were built. Special care was taken to ensure privacy during the construction of the house. There were no windows in the walls built on the ground floor. Every house had a bathroom whose drains were connected to the street drains through the wall. Scholars have estimated that there is evidence of 700 wells in Mohenjodaro which met the water requirement.

(iv) Provision of roads and drains. The unique feature of this city was its planned drainage system. It appears that streets with drains were built first and then residences were built. If the dirty water of the houses was to be connected to the drains of the streets, then it was necessary for at least one wall of each house to be adjacent to the street.

(v) Goods warehouse and huge bathhouse – Some special structures have also been found in the fort of Mohenjodaro which were used for public purposes. Among these, a warehouse was a huge structure of which only the lower parts made of bricks remain and included a huge bathroom. The great bath is a rectangular reservoir built in the courtyard, surrounded by a corridor on all sides. To reach the bottom of the reservoir, two stairs were built in its

Downloaded from cclchapter.com

northern and southern parts. Probably it was used for some kind of special ritual bath.

अथवा/or

इसमें कोई संदेह नहीं है कि हड़प्पा सभ्यता के शहरों की जल निकास प्रणाली एक अनूठी विशेषता है। यह वहाँ की नगर योजना की ओर संकेत करती है। जल निकास व्यवस्था नगर-योजना का अभिन्न अंग होती है। नगर को क-सुथरा बनाए रखने के लिए इस व्यवस्था का समुचित होना अनिवार्य है। इस दृष्टि से हड़प्पा सभ्यता के शहरों की जल निकास प्रणाली अपने आप में संपूर्ण थी। शहर के प्रत्येक आवास को गली की नालियों से जोड़ा गया था। ऐसा लगता है कि पहले नालियों के साथ गलियों को बनाया गया था और फिर उनके साथ-साथ आवासों का निर्माण किया गया था। फिर घर की कम-से-कम एक दीवार गली से सटाकर बनाई जाती थी, ताकि घरों के गंदे पानी को गलियों के नालियों से आसानी से जोड़ा जा सके। मुख्य नाले गारे में जमाई गई ईंटों से बने थे। उन्हें ऐसी ईंटों से ढँका गया था जिन्हें सफाई के समय हटाया जा सके। घरों की नालियाँ पहले एक हौदी अथवा मलकुंड में गिरती थीं। पानी का ठोस पदार्थ वहाँ जमा हो जाता था और गंदा पानी गली की नालियों में वह जाता था। इस प्रकार गंदा पानी नगर से बाहर निकल जाता था। मैके के अनुसार, यह निश्चित रूप से अब तक खोजी गई सबसे अधिक सुविधाजनक प्राचीन प्रणाली थी।

There is no doubt that the drainage system of the cities of the Harappan civilization is a unique feature. This indicates the town planning there. Drainage system is an integral part of city planning. To keep the city clean, it is essential for this system to be proper. From this point of view, the drainage system of the cities of the Harappan civilization was complete in itself. Every residence in the city was connected to street drains. It seems that streets were built with drains first and then residences were built along them. Then at least one wall of the house was built adjacent to the street, so that the dirty water of the houses could be easily connected to the drains of the streets. The

Downloaded from cclchapter.com

main drains were made of bricks set in mortar. They were covered with bricks that could be removed during cleaning. Earlier the drains from the houses used to fall into a sump or cesspool. The solid matter of the water got accumulated there and the dirty water went into the drains of the street. In this way the dirty water would go out of the city. According to Mackay, it was certainly the most convenient ancient system ever discovered."

प्रश्न32. भूमिका मीराबाई भक्ति परंपरा की सबसे सुप्रसिद्ध कवयित्री हैं। उनकी जीवनी उनके लिखे भजनों के आधार पर संकलित की गई है जो शताब्दियों तक मौखिक रूप से संप्रेषित होते रहे।

जन्म- मीराबाई मारवाड़ के मेड़ता जिले की एक राजपूत राजकुमारी थी जिनका विवाह उनकी इच्छा के विरुद्ध मेवाड़ के सिसोदिया कुल में कर दिया गया। उन्होंने अपने पति की आज्ञा की अवहेलना करते हुए पत्नी और माँ के परंपरागत दायित्वों को निभाने से मना कर दिया।

भक्तिमय मीरा- मीरा ने विष्णु के अवतार कृष्ण को अपना एकमात्र पति स्वीकर किया। उनके सुसराल वालों ने उसे जहर देने का प्रयत्न किया किन्तु वह राजभवन से निकलकर एक घुमक्कड़ संत बन गई। उसने अनेक कृष्ण भक्ति के भावपूर्ण गीतों की रचना को तथा इन गीतों के द्वारा उसने अपने कृष्ण के प्रति प्रेम को प्रचारित किया।

जातिवाद का विरोध- कुछ परंपराओं के अनुसार मीरा के गुरु रैदास थे जो एक चर्मकार थे। इससे पता चलता है कि मीरा ने जातिवादी समाज की रूढ़ियों का उल्लंघन किया। ऐसा माना जाता है कि अपने पति के राजमहल के ऐश्वर्य को त्याग कर उन्होंने विधवा के सफेद वस्त्र अथवा संन्यासिनी के जोगिया वस्त्र धारण किए। यद्यपि मीराबाई के आसपास अनुयायियों का जमघट नहीं लगा और उन्होंने किसी निजी मंडलो की नींव नहीं डाली किंतु फिर भी वह शताब्दियों से प्रेरणा का स्रोत रही है। उनके रचित पद आज भी स्त्रियों और पुरुषों द्वारा गाए जाते हैं।

Downloaded from cclchapter.com

Introduction Mirabai is the most famous poetess of the Bhakti tradition. His biography has been compiled on the basis of hymns written by him which were transmitted orally for centuries.

Birth- Mirabai was a Rajput princess from Merta district of Marwar who was married against her will into the Sisodia clan of Mewar. She disobeyed her husband's orders and refused to perform the traditional responsibilities of a wife and mother.

Devotional Meera – Meera accepted Krishna, an incarnation of Vishnu, as her only husband. Her in-laws tried to poison her but she left the palace and became a wandering saint. He composed many emotional songs of Krishna devotion and through these songs he propagated his love for Krishna.

Opposition to Casteism According to some traditions, Meera's guru was Raidas, a religious leader. this suggests. That Meera violated the conventions of the casteist society. It is believed that after leaving the opulence of her husband's palace, she wore the white clothes of a widow or the Jogiya clothes of a Sanyasini. Although Mirabai did not gather a large number of followers and did not establish any private congregations, she has been a source of inspiration for centuries. The verses composed by him are sung even today by men and women.

अथवा/or

संस्थागत दृष्टि से सूफी अपने को एक संगठित समुदाय खानकाह के इर्द-गिर्द स्थापित करते थे। खानकाह या नियन्त्रण शेख, पीर अथवा मुर्शीद के हाथ में होता था। वे अपने अनुयायियों की भरती करने थे और अपने बारिम को नियुक्ति करते थे। खानकाह में आध्यात्मिक व्यवहार के नियम निर्धारित किए जाते थे। संक्षेप में चिश्ती खानकाह की कार्यप्रणाली का वर्णन इस प्रकार है-

चिश्ती खानकाह सामाजिक जीवन का केन्द्र बिंदु था। शेख निजामुद्दीन औलिया की खानकाह दिल्ली में यमुना नदी के किनारे गियासपुर में था। यहाँ कई छोटे-छोटे कमरे और एक बड़ा हाल था जहाँ सहवासी और अतिथि रहते.

Downloaded from cclchapter.com

और उपासना करते थे। सहवासियों में शेख का अपना परिवार सेवक और अनुयायी थे। शेख एक छोटे कमरे में छत पर रहते थे जहाँ वह मेहमानों से मिला करते थे।

खानकाह में एक सामुदायिक रसोई होती थी जो दान पर चलती थी। खानकाह में समाज के प्रत्येक वर्ग के लोग सिपाही, गुलाम, गायक, व्यापारी, कवि, राहगीर, धनी और निर्धन, हिन्दू जोगी एवं कलंदर यहाँ अनुयायी बनने इबादत करने, ताबीज लेने अथवा विभिन्न मसलों पर शेख की मध्यस्थता के लिए आते थे। शेख के सामने झुकना, मिलने वालों को पानी पिलाना, दीक्षितों के सिर का मुंडन तथा यौगिक व्यायाम आदि व्यवहार इस तथ्य के द्योतक है कि स्थानीय परंपराओं को आत्मसात करने का प्रयत्न किया गया।

शेख निजामुद्दीन ने कई आध्यात्मिक वारिसों का चुनाव किया और उन्हें महाद्वीप के विभिन्न भागों में खानकाह स्थापित करने के लिए नियुक्त किया। इस वजह से चिश्तियों के उपदेश, व्यवहार और संस्थाएँ तथा शेख का यश चारों ओर फैल गया। उनकी तथा उनके आध्यात्मिक पूर्वजों की दरगाह पर अनेक तीर्थयात्री आने लगे।

From the institutional point of view, Sufis established themselves around an organized community, the Khanqah. Khanqah or control was in the hands of Sheikh, Pir or Mushid. They had to recruit their followers and appoint their barims. The rules of spiritual conduct were laid down in the Khanqah. In brief the functioning of Chishti Khanqah is described as follows-

Chishti Khanqah was the center point of social life. The Khanqah of Sheikh Nizamuddin Auliya was in Giyaspur on the banks of Yamuna river in Delhi. There were many small rooms and a large hall where the inmates and guests lived and worshiped. Among the cohabitants were the Sheikh's own family, servants and followers. The Sheikh lived in a small room on the terrace where he used to receive guests.

Downloaded from cclchapter.com

There was a community kitchen in the Khanqah which ran on donations. People from every section of the society, soldiers, slaves, singers, traders, poets, travelers, rich and poor, Hindu Yogis and Qalandars used to come here to become followers in Khanqah, to worship, to get amulets or to seek mediation from Sheikh on various issues. Bowing before the Sheikh, offering water to those who met him, shaving the heads of initiates and doing yogic exercises etc. indicate the fact that efforts were made to assimilate local traditions.

Sheikh Nizamuddin selected several spiritual heirs and appointed them to establish Khanqahs in different parts of the continent. Because of this, the teachings, practices and institutions of the Chishtis and the fame of the Sheikh spread everywhere. Many pilgrims visit the shrine of him and his spiritual ancestors.

प्रश्न33. अंग्रेजों के विरुद्ध भारतीयों का यह एक साहसिक विद्रोह था। विद्रोह को कुचलने के लिए अंग्रेजों ने निम्नलिखित कदम उठाए-

(i) लॉर्ड केनिंग की समुचित योजना- गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग ने कंपनी के समस्त ब्रिटिश साधनों को संगठित कर के विद्रोह को कुचलने के लिए एक समुचित योजना बनाई। लॉर्ड केनिंग की कुशल योजना द्वारा कंपनी इस विद्रोह को दबाने में सफल हो गई।

(ii) मार्शल लॉ लागू करना- उत्तर भारत को दोबारा जीतने के लिए टुकड़ियों को रवाना करने से पहले अंग्रेजों ने उपद्रव को शांत करने के लिए सैनिकों की आसानी के लिए कई कानून पारित कर दिए थे। मई और जून 1857 में पारित किए गए कई कानूनों के माध्यम से समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया। इस कानून के माध्यम से अंग्रेजी सरकार विद्रोह को दबाने में सफल हुई।

(iii) सैनिक अधिकारियों को व्यापक अधिकार देना विद्रोह को कुचलने के लिए अंग्रेज सरकार ने अपने सैनिक अधिकारियों को व्यापक अधिकार प्रदान किए। एक आम अंग्रेज अधिकारी को भी ऐसे भारतीयों पर मुकदमा चलाने और

Downloaded from cclchapter.com

उनको सजा देने का अधिकार दे दिया गया जिन पर विद्रोह में शामिल होने का शक था। कानून और मुकदमें की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गई थी और यह स्पष्ट कर दिया गया था कि विद्रोह की केवल एक ही सजा हो सकती है सजा-ए-मौत।

(iv) दिल्ली पर कब्जा करने के लिए विशेष कदम उठाना-विद्रोहियों की तरह अंग्रेज सरकार भी दिल्ली के सांकेतिक महत्त्व को अच्छी तरह समझती थी। दिल्ली को अधिकार में लेने की अंग्रेजों की कोशिश जून 1857 ई. में बड़े पैमाने पर शुरू हुई। ब्रिटेन से मँगाई गई नयी सैनिक टुकड़ियों के साथ दिल्ली पर दोतरफा हमला बोला गया तथा सितम्बर 1857 ई. में दिल्ली पर अधिकार कर लिया गया।

(iv) जमींदारों को आश्वासन- अंग्रेजों ने भू-स्वामियों और काश्तकारों की एकता को तोड़ने के लिए बड़े जमींदारों को आश्वासन दिया कि उन्हें उनकी जागीरें लौटा दी जाएँगी। विद्रोह का रास्ता अपनाने वाले जमींदारों को जमीन से बेदखल कर दिया गया और जो वफादार थे उन्हें ईनाम दिए गए।

(v) हिंदू-मुस्लिम में फूट डालने की कोशिश- इस विद्रोह को कुचलने के लिए अंग्रेजों ने हिंदू-मुस्लिम एकता में फूट डालने की भी कोशिशें भी की। परन्तु इसमें अंग्रेजों को विशेष सफलता नहीं मिली।

This was a bold rebellion of Indians against the British. The British took the following steps to crush the rebellion-

(i) Lord Canning's proper plan - Governor General Lord Canning made a proper plan to crush the rebellion by organizing all the British resources of the Company. The company succeeded in suppressing this rebellion by the skillful planning of Lord Canning.

(ii) Imposition of martial law- Before sending the troops to reconquer North India, the British had passed several laws for the convenience of the soldiers to quell the disturbance. Through several laws passed in May and June 1857, the entire North India was annexed. Through this law the British

Downloaded from cclchapter.com

government was successful in suppressing the rebellion. martial law imposed

(iii) Giving wide powers to military officers: To crush the rebellion, the British government gave wide powers to its military officers. Even an ordinary British officer was given the power to prosecute and punish Indians who were suspected of being involved in the rebellion. The normal process of law and trial was abolished and it was made clear that the only punishment for rebellion was death sentence.

(iv) Taking special steps to capture Delhi: Like the rebels, the British government also understood the symbolic importance of Delhi very well. The British effort to capture Delhi started on a large scale in June 1857 AD. Launched a two-pronged attack on Delhi with new troops brought from Britain.
Went and Delhi was captured in September 1857 AD.

(iv) Assurances to the landlords: To break the unity of landowners and tenants, the British assured the big landlords that their jagirs would be returned to them. The landlords who followed the path of rebellion were evicted from their land and those who were loyal were given rewards.

(v) Attempt to create division between Hindus and Muslims: To crush this rebellion, the British also tried to create divisions in Hindu-Muslim unity. But the British did not get much success in this.

अथवा/or

विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए निम्न तरीके अपनाए गए-

(i) 1857 के विद्रोह के लिए जारी की गई घोषणाओं में धर्मों के भेदभाव के बिना समाज के सभी वर्गों का आह्वान किया गया था।

(ii) बहादुरशाह के नाम से जारी की गई घोषणाओं में मुहम्मद और महावीर के नाम पर लड़ाई में शामिल होने की अपील की गई थी।

(iii) लोगों में एकता स्थापित करने के लिए मुगल साम्राज्य और हिन्दू राजाओं का गुणगान किया जाता था ।

(iv) मुस्लिम राजकुमारों या नवाबों द्वारा जारी की गई घोषणाओं में हिन्दूओं की भावनाओं का ध्यान रखा जाता था।

Downloaded from cclchapter.com

(vi) नाना साहब ने अपनी घोषणाओं में स्वयं को पेशवा तथा बहादुरशाह को भारत का मुगल सम्राट घोषित किया। जिससे हिन्दू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा मिला।

(vii) विद्रोह को ऐसे रूप में पेश किया गया कि इससे हिन्दू और मुसलमान दोनों के हितों को खतरा है।

(viii) विज्ञापनों में भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना से पहले के गौरवपूर्ण हिन्दू-मुस्लिम अतीत की ओर संकेत किया जाता था। विज्ञापनों में इस बात पर बल दिया जाता था कि मुगल सम्राटों के द्वारा सभी धर्मों का आदर किया जाता था और उस समय सभी लोग मिल-जुलकर रहते थे।

The following methods were adopted to establish unity among the rebels.

(i) The proclamations issued for the Revolt of 1857 called for all sections of the society without discrimination of religions.

(ii) Proclamations issued in the name of Bahadur Shah appealed to join the battle in the name of Muhammad and Mahavir.

(ii) The Mughal Empire and Hindu kings were praised to establish unity among the people.

(iv) The sentiments of Hindus were kept in mind in the proclamations issued by Muslim princes or Nawabs.

(vi) In his declarations, Nana Saheb declared himself Peshwa and Bahadur Shah as the Mughal Emperor of India. Which promoted Hindu-Muslim unity.

(vii) The rebellion was presented in such a way that it threatened the interests of both Hindus and Muslims.

(vii) Advertisements used to point towards the glorious Hindu-Muslim past before the establishment of British rule in India. It was emphasized in the advertisements that all religions were respected by the Mughal emperors and at that time all people lived together in harmony.

प्रश्न34. **मानचित्र कार्य**

(i) कालीबंगा

(ii) टोपरा

Downloaded from cclchapter.com

(iii) लुंबिनी, नेपाल

(iv) झांसी

(v) चौरी-चौरा, उत्तर प्रदेश

Question 34. **Map work**

(i) Kalibanga

(ii) Topra

(iii) Lumbini, Nepal

(iv) Jhansi

(v) Chauri-Chaura (Uttar Pradesh)

Downloaded from cclchapter.com